आज़ादी का अमृत महोत्सव

# महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

# आरोग्य पथ

## मासिक ई-पत्रिका

**सम्पादक**

मनीष कुमार त्रिपाठी

प्रभा शर्मा

• वर्ष - 2 • अंक - 03 • मार्च, 2023

# आरोग्य पथ

## मासिक ई-पत्रिका


**संपादक**

मनीष कुमार त्रिपाठी
प्रभा शर्मा

डॉ. प्रज्ञा सिंह
डॉ. अनुपमा ओझा
श्री विश्वजीत लूथर हैरिसन



**प्रकाशक**

**महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर**

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर, 273007

# अभिविन्यास समापन समारोह

दिनांकः **01 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में चल रहे 15 दिवसीय दीक्षा पाठ्यचर्या (ट्रांजिशनल करिकुलम) के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अवधेश कुमार सिंह, कुलपति, महायोगी गुरू गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय गोरखपुर ने बीएएमएस के सभी विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आप स्वयं को अभी से वैद्य कहना आरम्भ करें। जिस दिन से आप यह कहना प्रारम्भ कर देंगे उसी दिन से आयुर्वेद का उन्नति होना प्रारम्भ हो जाएगा।

आयुर्वेद के क्षेत्र में अनेक संभावनाएं है आप सभी एक श्रेष्ठ वैद्य, प्राध्यापक आयुर्वेद के सभी चतुर्दश विभागो में जैसे कायचिकित्सा, शल्यतंत्र, शालाक्यतंत्र इत्यादि विभागों में से किसी एक विभाग के वैद्य विशेषज्ञ बन सकते हैं। पंचकर्म चिकित्सा क्षेत्र में भी अनेक संभावनाएं है, पंचकर्म चिकित्सा जानकर आप स्वयं आत्मनिर्भर एवं दूसरों को भी आत्मनिर्भर बना सकते हैं।

परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है। आपको कठोर परिश्रम करना होगा तभी देश दुनिया में आयुर्वेद को आप एक श्रेष्ठ वैद्य के रूप में स्थापित कर पाएंगे। आप सभी को इस आयुर्वेद कॉलेज के द्वारा सभी सुविधाएं प्राप्त हो रही है। देश के कई राज्यों से आए हुए आयुर्वेद के सर्वश्रेष्ठ शिक्षक आपको प्राप्त है ये आपका मार्गदर्शन करेंगे।

अध्यक्षीय भाषण देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल कुमार वाजपेई जी ने विद्यार्थियों को बताया कि एक नए सर्वे में पाया गया है। कि पूरे भारतीय उप महाद्वीप में लगभग 88 प्रतिशत लोग आयुर्वेद को पसन्द कर रहे है और आयुर्वेद को अपना रहे हैं। आयुर्वेद की आज के समय में बहुत ही माँग है। पूरी दुनिया आयुर्वेद की तरफ देख रही है। आभार ज्ञापन डॉ. मिनी के.वी. ने किया।

इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एवं समस्त शिक्षक व बीएएमएस प्रथम व द्वितीय वर्ष के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# ग्राम्य - सर्वेक्षण

दिनांकः 02, 03 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष एवं पीबी.बी.एससी की कुल 69 छात्राओं द्वारा बैजनाथपुर के औरैया गाँव में स्वास्थ्य सर्वेक्षण किया। इस स्वास्थ्य सर्वेक्षण द्वारा गाँव की जनसंख्या गणना, पर्यावरण स्वच्छता, टीकाकरण एवं योग्य युगल की गणना करना महत्वपूर्ण रहा। इसमें छात्राओं ने गांव के हर घर में जाकर उनके परिवार के सदस्यों से मिलकर स्वास्थ्य सम्बधी जानकारी लेते हुए सर्वेक्षण को मुर्त रूप दिया। सर्वे में नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं सहित शिक्षिकाओं ने तत्परतापूर्वक सहभाग किया।

# सभागार शिलान्यास

दिनांकः 04 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर परिसर के सभागार (ऑडोटोरियम) के शिलान्यास हेतु भूमि पूजन आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य यजमान विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने वैदिक मंत्रोचार के मध्य पूजन का क्रियान्वयन सम्पन्न किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति सहित विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, गुरु गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा व विश्वविद्यालय के गणमान्य उपस्थित रहे।

# आरोग्य मेला

दिनांकः 12 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर परिसर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के सौजन्य से भटहट ब्लॉक के जंगल डुमरी नम्बर–1 के माँ सरस्वती पब्लिक स्कूल तेतरिया टोला में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। चिकित्सालय के एलोपैथ और आयुर्वेद चिकित्सकों ने सैकड़ो मरीजों ही जांच कर परामर्श देते हुए निःशुल्क दवाइयाँ वितरित कीं।

आरोग्य मेले का आयोजन माँ सरस्वती पब्लिक स्कूल के प्रबंधक राकेश सिंह ने किया तथा उद्घाटन दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री राधेश्याम सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य आम जनता तक उपलब्ध उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं को उपलब्ध कराना है और यह चिकित्सालय हर व्यक्ति को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के कलए कटिबद्ध है।

कार्यक्रम के अंत में आर्युविज्ञान संस्थान के प्रबंधक गिरिजेश मिश्रा ने आभार प्रकट किया।

मेले में चिकित्सालय के डॉ. ओ.पी. सिंह, डॉ. संजीव गुप्ता, (एलोपैथ से) डॉ. अभिजीत, डॉ. नीरज गुप्ताय, डॉ. हरिवंश यादव एवं डॉ. प्रदीप (आयुर्वेद से) ने आरोग्य मेले में आए गए कुल 673 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

# कार्यपरिषद बैठक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कार्यपरिषद की बैठक 12 मार्च, 2023 को माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में श्री रामजनम सिंह, पूर्व प्राचार्य, महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज गोरखपुर, श्री प्रमथनाथ मिश्र, अधिवक्ता गोरखपुर, डॉ. सी. एम. सिन्हा, वरिष्ठ कैंसर सर्जन, गोरखपुर, डॉ. अश्विनी कुमार मिश्र, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा निदेशक, गोरखपुर, डॉ. डी. एस. अजीथा, प्राचार्या, गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डॉ. प्रिंसी जी, एसोसिएट प्रोफेसर, गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डॉ. प्रज्ञा सिंह, असिस्टेंट प्रोफसर, आयुर्वेद संहिता एवं सिद्धान्त गुरू गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज), प्रोफेसर शोभा गौड़, प्रोफेसर, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, डॉ. प्रदीप कुमार राव, कुलसचिव, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर की मुख्य रूप से उपस्थित रहें। इस बैठक में कुल 109 पहलुओं पर विचार–विमर्श किया गया।

# विद्यापरिषद बैठक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के विद्यापरिषद की बैठक **12 मार्च, 2023** को माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, कुलसचिव, डॉ. डी. एस. अजीथा, प्राचार्या, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डॉ. मंजूनाथ एन.एस., प्राचार्य, गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) डॉ. सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, डॉ. विजय दुगेसर, अधिष्ठाता, कृषि विज्ञान संकाय, डॉ. दीपू मनोहर, सह आचार्य, रचना शारीर विभाग, आयुर्वेद कॉलेज, श्रीमती रजीथा आर.एम. सह आचार्य, नर्सिंग कॉलेज, डॉ. अनुपमा ओझा, सहायक आचार्य, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, डॉ. कुलदीप सिंह, सहायक आचार्य कृषि विज्ञान संकाय, डॉ. दिनेश कुमार सिंह, आचार्य, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, डॉ. वी. रामनाथन, सह आचार्य, रसायन शास्त्र विभाग, आईआईटी, बीएचयू वाराणसी, श्री अमित कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

इस बैठक में विद्यापरिषद की दिनांक 16.05.2022 को सम्पन्न हुई बैठक में कार्यवृत्त का अनुमोदन एवं बैठक में हुए निर्णयों के क्रियान्वयन का विवरण, विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय के परिषद (Botard of Faculty) की दिनांकः 03.12.2022 को सम्पन्न हुई। बैठक के कार्यवृत्त पर विचार, विश्वविद्यालय के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के संकाय परिषद (Botard of Faculty) की दिनांक : 10.02.2023 को सम्पन्न हुई।

बैठक के कार्यवृत्त पर विचार, विश्वविद्यालय के सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के परिषद (Botard of Faculty) की दिनांक : 14.02.2023 को सम्पन्न हुई बैठक के कार्यवृत्त पर विचार।

विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान संकाय के संकाय परिषद (Botard of Faculty) की दिनांकः 24.02.2023 को सम्पन्न हुई बैठक के कार्यवृत्त पर विचार, विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के संकाय परिषद (Botard of Faculty) की दिनांकः 01.03. 2023 को सम्पन्न हुई।

बैठक के कार्यवृत्त पर विचार, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा प्रकाशित की जा रही "आरोग्य पथ"(मासिक ई–पत्रिका) की सूचना, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा प्रकाशित की जा रही स्वास्थ्यपरक "आरोग्य प्रभा" (त्रैमासिक पत्रिका) की सूचना, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर द्वारा प्रकाशित कराई जा रही "आरोग्य शोध" (अर्धवार्षिक जरनल्स साइंस एण्ड मेडिकल) की सूचना, विश्वविद्यालय द्वारा साइंस एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली को "पापुलर लेक्चर" हेतु भेजे गए प्रस्ताव की सूचना आदि बिन्दुओं पर विचार–विमर्श किया गया।

# "परीक्षा, पाठ्यक्रम/अध्ययन" बैठक

दिनांकः **13 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के कॉन्फ्रेंस हॉल में पूर्वाह्न 08:00 बजे विश्वविद्यालय के माननीय मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की अध्यक्षता में "परीक्षा का आयोजन एवं पाठ्यक्रम / अध्ययन" पर विचार–विमर्श हेतु आयुर्वेद संकाय के समस्त शिक्षकगण की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, डॉ. मंजूनाथ एन. एस. प्राचार्य, आयुर्वेद कॉलेज, डॉ. मिनी के. वी. आचार्य, रचना शरीर विभाग, डॉ. वेंकटेशन एन. जोशी, आचार्य, द्रव्यगुण विभाग, डॉ. सुमित कुमार एम. सह आचार्य, संहिता सिद्धान्त विभाग, डॉ. पियूष वर्षा, सह आचार्य, क्रिया शारीर विभाग, डॉ. विनम्र शर्मा, सह आचार्य, रसशास्त्र एवं भैशज्यकल्पना, डॉ. प्रज्ञा सिंह, सहायक आचार्य, संहिता सिद्धान्त विभाग, डॉ. प्रिया एस.आर. नायर, सहायक आचार्य क्रिया शारीर विभाग, डॉ. जी. वी. सारभौम, सहायक आचार्य, रोग निदान विभाग, डॉ. एकता मन्हास, सहायक आचार्य, द्रव्यगुण विभाग, डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय, प्रवक्ता संहिता सिद्धान्त विभाग मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

## पठन-पाठन समीक्षा बैठक

दिनांकः 13 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के कॉन्फ्रेंस हॉल में अपराह्न 03:30 बजे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की अध्यक्षता में "आयुर्वेद कॉलेज, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान एवं कृषि विज्ञान संकाय'' के संयुक्त पठन–पाठन सम्बन्धी व्यवस्था" पर विचार–विमर्श हेतु प्रधानाचार्य आयुर्वेद कॉलेज तथा अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान एवं कृषि विज्ञान संकाय की बैठक सम्पन्न हुई।

इस बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, कुलसचिव, डॉ. मंजूनाथ एन.एस. प्राचार्य आयुर्वेद कॉलेज, डॉ. सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता, संबंद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, डॉ.विजय दुगेशर, अधिष्ठाता, कृषि विज्ञान संकाय उपस्थित रहें।

## समीक्षा बैठक

दिनांकः 13 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) के कॉन्फ्रेंस हाल में अपराह्न 04:00 बजे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की अध्यक्षता में "एबीसी, एबीएसीयूएस, एलएमएस एवं ईआरपी की समीक्षा" हेतु विश्वविद्यालय के समस्त प्राचार्य/अधिष्ठाता, परीक्षा नियंत्रक एवं प्रभारी आई.टी.सेल की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, कुलसचिव, डॉ. डी.एस. अजीथा, प्राचार्या, गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग, डॉ. मंजूनाथ एन.एस. प्राचार्य, आयुर्वेद कालेज, डॉ. सुनील कुमार, अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, डॉ. विजय दुगेसर, अधिष्ठाता, कृषि विज्ञान संकाय, डॉ. सुमित कुमार एम. प्रभारी आई.टी. सेल, श्री अमित कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक, डॉ. अविनाश सिंह, नोडल अधिकारी, आनलाईन शिक्षा आदि उपस्थित रहें।

## बी.ए.एम.एस. संयोजन बैठक

दिनांकः 13 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) के कॉन्फ्रेंस हाल में अपराह्न 04:00 बजे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की अध्यक्षता में ''बीएएमएस द्वितीय वर्ष की तैयारी'' पर विचार–विमर्श हेतु प्राचार्य आयुर्वेद कॉलेज एवं समस्त शिक्षकगण की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, कुलसचिव, डॉ. मंजूनाथ एन.एस., प्रचार्य, आयुर्वेद कॉलेज, डॉ. मिनी के. वी. आचार्य, रचना शरीर विभाग, डॉ. पियूष वर्षा, सह आचार्य, क्रिया शरीर विभाग, डॉ. विनम्र शर्मा, सह आचार्य, रसशास्त्र एवं भैशज्यकल्पना, डॉ. अरूण के, सह आचार्य, डॉ. प्रज्ञा सिंह, सहायक आचार्य, संहिता सिद्धान्त विभाग, डॉ. प्रिया एसआर नायर, सहायक आचार्य क्रिया शरीर विभाग, डॉ. जी.वी. सारभौम, सहायक आचार्य, रोग निदान विभाग, डॉ. एकता मन्हास, सहायक आचार्य, द्रव्यगुण विभाग, डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय, प्रवक्ता (संस्कृत) संहिता सिद्धान्त विभाग उपस्थित रहें।

## पुस्तकालय समिति बैठक

दिनांकः 13 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) के कॉन्फ्रेंस हाल में अपराह्न 04:00 बजे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की अध्यक्षता में ''पुस्तकालय संचालन एवं व्यवस्था तथा आईक्यूएसी'' पर विचार–विमर्श हेतु विश्वविद्यालय के समस्त प्राचार्य/अधिष्ठाता एवं आयुर्वेद संकाय के समस्त शिक्षकगण की बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, कुलसचिव, डॉ. मंजूनाथ एन.एस., प्रचार्य, आयुर्वेद कॉलेज, डॉ. डी.एस. अजीथा, प्राचार्या, नर्सिंग कॉलेज, डॉ. सुनील कुमार, अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, डॉ. विजय दुगेसर, अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय, डॉ. मिनी के.वी. आचार्य, शरीर विभाग, डॉ. वेंकटेश एन. जोशी आचार्य, द्रव्यगुण विभाग, डॉ. गोपी कृष्णा एस. आचार्य डॉ. सुमित कुमार एम., सह आचार्य, संहिता सिद्धान्त विभाग, डॉ. दीपू मनोजर, सह आचार्य रचना शरीर विभाग, डॉ. पियूष वर्षा, सह आचार्य, क्रिया शरीर विभाग, डॉ. विनम्र शर्मा, सह आचार्य, रसशास्त्र एवं भैशज्यकल्पना, डॉ. अरूण के, सह आचार्य, डॉ. प्रज्ञा सिंह, सहायक आचार्य, संहिता सिद्धान्त विभाग, डॉ. प्रिया एसआर नायर, सहायक आचार्य क्रिया शरीर विभाग, डॉ. जी.वी. सारभौम, सहायक आचार्य, रोग निदान विभाग, डॉ. एकता मन्हास, सहायक आचार्य, द्रव्यगुण विभाग, डॉ. साध्वीनन्दन पाण्डेय, प्रवक्ता (संस्कृत) संहिता सिद्धान्त विभाग श्री मनन गुप्ता, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष मुख्य रूप से उपस्थित रहें।

## शैक्षणिक बैठक

दिनांकः **14 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) के कॉन्फ्रेंस हाल में अपराह्न 04:00 बजे विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की अध्यक्षता में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की "शैक्षणिक गतिवविधियों की समीक्षा" हेतु संकाय के सदस्यों की बैठक सम्पन्न हुई।

इस बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, कुलसचिव, डॉ. सुनील कुमार, अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, सहायक आचार्य, डॉ. अविनाश सिंह, सहायक आचार्य, डॉ. अखिलेश कुमार दूबे, सहायक आचार्य, डॉ. अनुपमा ओझा, सहायक आचार्य, सुश्री प्रियांशी, ट्यूटर, सुश्री प्रज्ञा पाण्डेय, ट्यूटर, सुश्री प्रभा शर्मा, प्रवक्ता, श्री अनिल कुमार मिश्र, ट्यूटर उपस्थित रहें।

## शिक्षक अभिभावक बैठक

दिनांकः **14 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के कान्फ्रेंस हॉल में कॉलेज की प्राचार्या के नेतृत्व में शिक्षक–अभिभावक बैठक का आयोजन किया गया। इस आयोजन में अभिभावकों को छात्राओं के पाठ्यक्रम–प्रदर्शन से अवगत कराया गया। इस कार्यक्रम को एएनएम की कॉर्डिनेटर मिस दीक्षा ने सफलतापूर्वक संपन्न किया। कार्यक्रम के अंत में कॉलेज की प्राचार्या द्वारा बच्चो को उत्तम प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया गया।

## कार्य संस्कृति बैठक

दिनांकः **14 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कालेज) के कॉन्फ्रेंस हाल में अपराह्न 05:00 बजे महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई जी की अध्यक्षता में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय की "कार्यालय एवं महाविद्यालय की कार्य संस्कृति" पर विचार – विमर्श हेतु समस्त प्राचार्य/अधिष्ठाता, आयुर्वेद संकाय के विभागाध्यक्ष एवं समस्त कर्मचारीगण की बैठक सम्पन्न हुई।

इस बैठक में डॉ. प्रदीप कुमार राव, कुलसचिव, डॉ. मंजूनाथ एनएस, प्राचार्य, गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस (आयुर्वेद कॉलेज) डॉ. डी.एस. अजीथा, प्राचार्या, नर्सिंग कॉलेज, डॉ. मिनी के.वी. आचार्य, रचना शरीर विभाग, डॉ. वेंकटेश एन. जोशी, आचार्य, द्रव्यगुण विभाग, डॉ. गोपीकृष्णा एस, आचार्य, डॉ. सुमित कुमार एम. सह आचार्य, संहिता सिद्धान्त विभाग, डॉ. दीपू मनोहर, सह आचार्य रचना शरीर विभाग, डॉ. पियूष वर्षा, सह आचार्य,क्रिया शरीर विभाग, डॉ. विनम्र शर्मा, सह आचार्य, रसशास्त्र एवं भैशज्यकल्पना, डॉ. प्रज्ञा सिंह, सहायक आचार्य, संहिता सिद्धान्त विभाग, डॉ. सुनील कुमार, अधिष्ठाता, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, डॉ. विजय दूगेसर, अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय, श्री आदित्य प्रियदर्शी, निजी सहायक प्रधानाचार्य, श्री सुनील पासवान, कार्यालय सहायक, श्री धनन्जय श्रीवास्तव, लेखाकार श्री राकेश कुमार, कार्यालय अधीक्षक, श्री कमल नयन श्रीवास्तव, आई.टी. मैनेजर, श्री मनन गुप्ता, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष उपस्थित रहें।

## वाद-विवाद प्रतियोगिता

दिनांकः **14 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों के बीच वाद–विवाद एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 'हेल्थ वेलबिंग एवं स्पोर्टः एजेण्डा फॉर यूथ' व 'फ्यूचर ऑफ वर्क 'इण्डस्ट्रीज 4:0 इनोवेशन, 21 सेन्चुरी स्कील' विषय पर केन्द्रित रहा। प्रतियोगिता में "हेल्थ वेलबिंग व स्पोर्टः एजेण्डा फॉर यूथ' विषय में शिवम पाण्डेय, बी.एस.सी. बॉयोटेक्नोलॉजी प्रथम वं अर्चना, बी. एससी. मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी द्वितीय स्थान पर रहें 'फ्यूचर ऑफ वर्क'' इण्डस्ट्रीज 4:0 इनोवेशन, 21 सेन्चुरी स्कील' विषय में हर्ष पाण्डेय, बी.एससी. मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी प्रथम वं रूचि शुक्ला, बी.एससी. बॉयोटेक्नोलॉजी को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इसमें 45 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

## आयुर्वेद कॉलेज
# विभागीय बैठक

दिनांकः 15 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के संहिता सिद्धान्त विभाग की बैठक विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार एम. की अध्यक्षता में 'बीएमएमएस बैच 2022–2023 के पाठ्यक्रम एवं एलएमएस के परिचय' विषय पर आयोजित की गई।

इस बैठक में संहिता विभाग की डॉ. प्रज्ञा सिंह, सहायक आचार्य एवं श्री साध्वीनन्दन पाण्डेय सहायक आचार्य उपस्थित रहें।

बैठक में संहिता अध्ययन, पदार्थ विज्ञान एवं संस्कृति विषय हेतु प्रति अवधि के अनुसार शिक्षण अवधि हो, बीएएमएस 2022–2023 सत्र के विद्यार्थियों को विषय की पुस्तकें निर्देशित करने के सम्बध में, बीएएमएस 2022–2023 सत्र हेतु प्रथम अवधिक मुल्यांकन हेतु पाठ्यक्रम निर्धारण मुख्य बिंदु रहें। इसी क्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. सुमित कुमार एम ने एलएमएस के विषय में बेसिक जानकारी साझा की।

## नर्सिंग कॉलेज
# स्वास्थ्य जागरूकता

दिनांकः 15 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष की कुल 30 छात्राओं द्वारा बैजनाथपुर के ग्राम–औरैया में सामुहिक स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें स्वच्छता, शराब, तंबाकू एवं धुम्रपान के जोखिम एवं ग्लोबल वार्मिंग विषय पर ग्रामवासियों को इनके द्वारा होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक किया। इस आयोजन में छात्राओं ने स्वयं निर्मिम बैनर एवं पोस्टर के माध्यम से लोगों को इससे बचने के उपायों के बारे में बताया। आयोजन में नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं सहित में मिस खुशबू शिक्षिका, मिस शाइनी शिक्षिका एवं विश्वजीत शिक्षक उपस्थित रहें।

# चिकित्सकीय बैठक

दिनांकः 16 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय में कुलपति मेजर जनरल (डॉ) अतुल वाजपई जी के अध्यक्षता में चिकित्सीय बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में कुलपति जी ने चिकित्सको को एईसी रोगियों को आईसीएमआर द्वारा किए गए लैब टेस्टों के बारे में बताया और निर्देश दिए कि एईसी मरीज के खून की जांच कि जाए एईसी रोगियों हेतु Scrub Typhus, Dengue Chickenhunea, Enterovirous, Leptospirosis टेस्ट निःशुल्क है।

कहा कि संदेहास्पद मस्तिष्क ज्वर का मरीज यदि चिकित्सालय में भर्ती होता है तो आप अति शीघ्र उच्चाधिकारियों को सूचित करें और निर्धारित प्रोफार्मा पर उसका टेस्ट आईसीएमआर को भेजें, इसी क्रम में हॉस्पिटल में भर्ती हुए मरीजों के ईलाज पर जोर दिया गया।

बैठक में सभी चिकित्सकों को समयानुसार उपस्थित होने के निर्देश दिए गए ताकि मरीजों के इलाज में कोई बाधा न आए।

डॉ. धैर्य प्रजापति जी को महीने के पहले और आखिरी रविवार को ओपीडी का कार्यभार सौंपा गया, कहा कि कंसलटेंट के संग एक नामाकित आर.एम.ओ. को भी रखा जाए जो कंसलटेंट के साथ कभी भी फोन पर मरीजों के स्वास्थ्य के बारे मे बात कर सकें। कुलपति जी ने बैठक में बताया कि 5000 स्क्वायर फीट की जगह एन.जी.ओ. को सौंपा गया है लेकिन आवश्यकता पड़ने पर उसे दूसरे भवन में भी स्थानान्तरित किया जा सकता है। यह सभी को मान्य होना चाहिए।

एन.जी.ओ. यह सुनिश्चित करेगा कि विश्वविद्यालय परिसर में कहीं भी किसी तरह की अनुशासनहीनता न हो सके।

# शिक्षक-प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांकः **16 मार्च, 2023** को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के **'डिजिटल पुस्तकालय'** मे **'लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस)'** पर विश्वविद्यालय के सभी शिक्षकों हेतु कार्यशाला आयोजित की गयी। **'लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस)'** शिक्षकों/स्कूल मालिकों को एक ही स्थान पर सभी डिजिटल सीखने की सामग्री का प्रबंधन करने हेतु एक मंच प्रदान करता है। ऑनलाइन या हाइब्रिड स्कूली शिक्षा के मामले में यह उन्हें ऑनलाइन कक्षाएं संचालित करने में भी सक्षम बनाता है। इस कार्यशाला मे विश्विद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक श्री अमित सिंह, उप कुलसचिव श्री श्रीकांत जी सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

# एनसीआईएसएम तैयारी बैठक

दिनांकः **16 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू श्री गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. की अध्यक्षता में एनसीआईएसएम भाग–1 की तैयारी से संबंधित एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्राचार्य द्वारा कॉलेज के सभी विभागीय शिक्षकों को एनसीआईएसएसम भाग–1 पोर्टल के खुलने की जानकारी देते हुए पोर्टल पर आयुर्वेद कॉलेज से संबंधित सभी जानकारी अपलोड करने के सभी तैयारियों को पूरी करने का निर्देश दिया साथ ही बीएएमएस द्वितीय व्यावसायिक सत्र हेतु प्रायोगात्मक लैब, म्यूजिएम, लाइब्रेरी एवं कम्प्यूटर लैब के कार्य को पूर्ण करते हुए पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। इस बैठक में आयुर्वेद कॉलेज के समस्त शिक्षकों प्रतिभाग किया।

# आरोग्य शिविर

दिनांकः **16 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अन्तर्गत संचालित गुरु श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष की 20 छात्राओं द्वारा बैजनाथपुर के औरैया गाँव में सामूहिक स्वास्थ शिक्षा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में छात्राओं ने संचारी रोगों से बचाव, कचरा प्रबंधन के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया। आयोजन के दौरान छात्राओं के साथ कॉलेज की शिक्षिकाएं भी उपस्थित रहीं।

## आयुर्वेद कॉलेज

# विभागीय बैठक

दिनांकः 16 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में रचना शारीर विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. मिनी के.वी. जी की अध्यक्षता में विभागीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में समय–सारणी सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, रचना शारीर विभाग में प्रयोगशाला सहायक की आवश्यकता, 5 शव लाने हेतु, 6 शव रखने वाले डीप फ्रिजर की आवश्यकता, 150 गीला नमूना लाने हेतु, 10 प्लास्टिनेटेड अवयवों की आवश्यकता आदि विषयों पर चर्चा की गई। इस बैठक में रचना शारीर के विभागाध्यक्ष के अलावा आचार्य डॉ. जशोबन्त डनसना, सह आचार्य डॉ. दीपू मनोहर उपस्थित रहें।

# पाककला विधि आयोजन

दिनांकः 17 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू श्री गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष पीबीबीएससी द्वितीय वर्ष की कुल 35 छात्राओं ने बैजनाथपुर के ग्राम–औरैया में पाक कला विधि का आयोजन किया। इस आयोजन में कॉलेज की छात्राओं द्वारा पालक पकोड़ा, पालक पराठा, सूजी का चीला, करेले का जूस (मधुमेह मरीज हेतु), चुकुंदर का हलवा, खीर, साबूदाने का खीर, सेवंई आदि पकवान बनाए गए। आयोजन में नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं सहित शिक्षिका सुश्री खुशबू, सुश्री शाइनी एवं शिक्षक विश्वजीत जी उपस्थिति रहें।

# आईक्यूएसी बैठक

दिनांकः 18 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित सभी पाठ्यक्रमों में अध्यापन कार्य कर रहे शिक्षकों के लिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (INTERNAL QUALITY ASSURANCE CELL, IQAC) के बारे में समुचित जानकारी दिए जाने हेतु गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के लेक्चर हॉल में एक फैकल्टी डेवलपमेट प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में डॉ. सुनील कुमार सिंह, अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय द्वारा आईक्यूएसी के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपई जी, कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव सहित विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहें।

# स्वास्थ्य जागरूकता अभियान

दिनांकः **18 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरू गोरक्षनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत एएनएम द्वितीय वर्ष एवं पीबी.बी.एससी की कुल **68** छात्राओं द्वारा बैजनाथपुर के औरैया गाँव में स्वच्छता एवं जन्म नियंत्रण की योजना विषय पर सामूहिक स्वास्थ्य शिक्षा का आयोजन किया गया। इस आयोजन के द्वारा गाँव को स्वच्छ रखने हेतु जागरूक किया गया।

# आरम्भ : 2022-23

दिनांकः **19 मार्च, 2023** को विश्वविद्यालय परिसर में स्थित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) के मल्टीपर्पस हॉल में सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में संचालित बीएससी एवं एमएससी (बॉयोटेक्नोलॉजी, मेडिकल माइक्रोबॉयोलॉजी एवं मेडिकल बॉयोकेमस्ट्री) के विद्यार्थियों हेतु फ्रेशर्स पार्टी (आरम्भ–2022–2023) का आयोजन किया गया। इस आयोजन में अधिष्ठाता सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय डॉ. सुनील कुमार सिंह, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन. एस. व सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के समस्त शिक्षकों सहित विद्यार्थियों ने सहभाग किया।

# परिसर निरीक्षण

दिनांकः 19 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में कैंपस निरीक्षण हेतु प्रो. जी. एन. सिंह, सलाहकार, मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं पूर्व औषधि महानियंत्रक जी का आगमन हुआ। प्रो. जी. एन. सिंह जी ने आयुर्वेद कॉलेज, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय, कृषि विज्ञान संकाय एवं समस्त लैब एवं कक्षाओं को निरीक्षण करते हुए आयुष वाटिका पहुंचे जहां का दृश्य देखकर खुशी जाहिर की एवं निर्देशित किया कि अन्य औषधीय पौधों का इस वाटिका में समावेशन करें। निरीक्षण में प्रो. मंजीत कौर सिंह, आचार्य द्रव्यगुण, बीएचयू, श्री अश्वनी जी आदि उपस्थित रहें।

# विश्व वानिकी दिवस

दिनांकः 21 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कृषि विज्ञान एवं सम्बद्ध उद्योग संकाय में 'विश्व वानिकी दिवस' के अवसर पर व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. शोभित श्रीवास्तव (सहायक प्राध्यापक, एशियन इण्टरनेशनल विश्वविद्यालय) ने कहा कि वन ही जीवन है। किसानों को विभिन्न नवीन विद्या का प्रयोग करने से अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त होगा।

कार्यक्रम के अगली कड़ी में विशिष्ट अतिथि डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय (वैज्ञानिक, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, गोरखपुर) ने बताया कि जनसंख्या विस्फोट के परिणाम स्वरूप पड़ रहे दुष्प्रभाव को कम करने के लिए अधिकतम वृक्षारोपण के लिए अधिकतम वृक्षारोपण के लिए संकल्प लेना ही आज का युग धर्म है।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुलदीप सिंह ने किया एवं कार्यक्रम के अंत में डॉ. विजय दुगेसर, अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय ने अतिथियों का आभार ज्ञापन किया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बी. एससी. कृषि के विद्यार्थियों में रितिका द्विवेदी प्रथम, अनिकेत मल्ल द्वितीय एवं अदिति सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

इस कार्यक्रम में कृषि विज्ञान संकाय के कुल 42 विद्यार्थियों सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहें।

## सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय

# संकाय बैठक

दिनांकः 21 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में ईआरपी से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु अधिष्ठाता प्रो. सुनील कुमार सिंह की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया। इसमें समस्त शिक्षकों के ईआरपी प्रक्रिया संपाइन में आने वाली समस्याओं का समाधान किया गया। इस बैठक में विभाग के समस्त शिक्षकों की उपस्थिति रही।

# विशिष्ट व्याख्यान

दिनांकः **22 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में हिन्दू नव वर्ष एवं गुड़ी पड़वा उगादी पर्व के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। चैत्र माह की शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिन्दू नव वर्ष की शुरूआत होती है। इसी दिन मराठी लोग गुड़ी पड़वा और दक्षिण भारत में उगादी के नाम से मनाया जाता है।

इस अवसर पर डॉ. वेंकेटेश जोशी द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस समय बसंत ऋतु में सर्दी समाप्ति की तरफ होती है और गर्मी का आगमन होता है। ऋतु परिवर्तन के कारण वायरस संक्रमित रोगों की उत्पत्ति होती है। अतः हम ऋतु में उत्पन्न फल और शाक का प्रयोग कर रोगों से बच सकते है। डॉ. वेंकेटेश जोशी ने नीम, आम, इमली और गुड़ से बने हुए पानक का स्वाद परीक्षण विद्यार्थियों को कराया। ये पानक ऋतु परिवर्तन जन्य व्याधि से बचाव में सहायक है। इसी क्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस. ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को नव वर्ष की शुभकामनाएं एवं आर्शीवचन प्रदान कर सबके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रज्ञा सिंह ने किया। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के सभी शिक्षकों सहित बीएएमएस के कुल 97 विद्यार्थी उपस्थित रहें।

# शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध कार्यशाला

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में दिनाकः **26 मार्च, 2023**, रविवार को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) और अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्त्वावधान में शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. डी. के. सिंह ने शिक्षक प्रशिक्षण और शोध की बारीकियों पर गहनता से प्रकाश डालते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण और समायानुकूल शिक्षण हेतु शिक्षकों को भी स्वयं को प्रशिक्षण के माध्यम से परिमार्जित करने की आवश्यकता होती है। आज वही शिक्षण संस्थान खुद को श्रेष्ठ साबित कर सकता है। जो अपने शिक्षकों के लिए नियमित अंतराल पर विषय वस्तु के अनुरूप प्रशिक्षण की व्यवस्था करे।

उन्होंने विश्वविद्यालय संकायों, विभागों जैसे आयुर्वेद, नर्सिंग, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान और कृषि विज्ञान के शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों पर शोध द्वारा विभिन्न विषयों पर शोध हेतु प्रोजेक्ट प्रस्तुतिकरण का अवलोकन व उनकी समीक्षा करते हुए अपने सुझााव दिए।

प्रशिक्षण एवं शोध कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने कहा कि किसी भी देश में होने वाले शोध में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। शिक्षक देश के विकास और नीति निर्धारण में सहायक होते है। शिक्षक प्रशिक्षण स्वयं को व्यक्त करने की कला में शिक्षकों की मदद करता है।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मंजूनाथ एन.एस., नर्सिंग कॉलज की प्राचार्या डॉ. डी.एस. अजीथा, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील कुमार सिंह, समेत विश्वविद्यालय के सभी विभागों के समस्त शिक्षकों की सहभागिता रही।

# आरोग्य मेला

दिनांकः **26 मार्च, 2023** को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के सौजन्य से चरगांवा ब्लॉक के महाराजगंज चौराहा स्थित आरोग्य मेला एवं नेत्र जाँज कैम्प का आयोजन किया गया, यह स्वास्थ्य मेला में महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के प्रबंधक जी. के. मिश्रा जी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। जिसमें एलोपैथ से डॉ. रेणु गुप्ता, डॉ. राजीव शाही आयुर्वेद से डॉ. के.के. रेड्डी, डॉ. अभिजीत, डॉ. अश्वती नारायन, डॉ. हरिवंश यादव, डॉ. भारत एवं डॉ. प्रदीप आदि चिकित्सकों की टीम ने कुल 685 मरीजों की जांच करते हुए परामर्श एवं निःशुल्क दवाइयां वितरण की।

मेले में कुल 93 मोतियाबिंद मरीजों को चिन्हित किया गयां। स्वास्थ्य कैम्प का उद्घाटन करते हुए पिपराईच विधानसभा के विधायक महेन्द्र पाल सिंह ने कहा कि अस्पताल का उद्देश्य आम जनता तक उपलब्ध उच्च स्तरीय चिकित्सा सेवाओं को उपलब्ध कराना है यह चिकित्सालय पूर्वांचल का मिनी पीजीआई है। स्वास्थ्य मेले में नर्सिंग कॉलेज में अध्ययनरत बीएससी तृतीय वर्ष के छात्राओं एवं अस्पताल कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

# जी-20 यूथ सम्मेलन

दिनांकः **23 व 24 मार्च, 2023** को खेल मंत्रालय के निर्देशन में युवा कल्याण विभाग की तरफ से लखनऊ के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज में 'यूथ–20 कंसल्टेशन' नाम से आयोजित सम्मेलन में मानसिक स्वास्थ, खेल से होने वाली चोटों से संबंधित स्वास्थ, खेल के विभिन्न आयाम, योग और आयुर्वेद से संबंधित विषयों पर विभिन्न सत्रों में एक दिवसीय विचार विमर्श हुआ। इसमें विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी और युवाओं से संवाद किया। इस सम्मेलन में प्रतिभाग के लिए गोरखपुर से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में अध्ययनरत बीएससी बायोटेक्नोलॉजी प्रथम वर्ष के छात्र शिवम पाण्डेय चयनित किए गए थे। सम्मेलन में पहुंचे शिवम पाण्डेय ने कहा कि इस वर्ष भारत जहां आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, वहीं जी–20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। भारत सरकार ने हमेशा युवाओं को आगे किया है जिसकी वजह से आज गांव–गांव से प्रतिभावान युवा और खिलाड़ी निकल रहे हैं। शिवम ने बताया यूथ सम्मेलन में संवाद और परिचर्चा के माध्यम से विभिन्न विषयों पर समझ और मजबूत हुई है। सम्मेलन का उदघाट्न अपर मुख्य सचिव खेल एवं युवा कल्याण नवनीत सहगल और किंग जॉर्ज मेडिकल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विपिन पुरी ने किया।

# अतिथि व्याख्यान

दिनांकः 28 मार्च, 2023 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के गुरू गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, आयुर्वेद कॉलेज में जर्मन आणविक जीव वैज्ञानिक डॉ पीटर निक ने अपने व्याख्यान में बीएएमएस छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि चिकित्सा के प्रणालियों का एकीकरण सर्वोत्तम हितकर है। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति पाँच हजार वर्षो पुरानी है इसके बाद के काल के पाश्चात्य चिकित्सा के जनक हिप्पोक्रेट्स चरक संहिता के उपदेशों का प्रभाव दिखता है। आयुर्वेद में प्रकृति का वर्णन है प्रकृति के अनुसार चिकित्सा का विधान है। पश्चिमी चिकित्सा विधान दीर्घकालिक रोगों में आयुर्वेद सिद्धांत का अनुसरण कर रही है। आयुर्वेद का प्रयोजन है स्वस्थ्य व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी के रोग का निवारण करना। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान रोगी के इलाज से महत्वपूर्ण रोग होने के कारण को समाप्त करने पर अब कार्य करने लगा है। पश्चिमी चिकित्सा विज्ञान मानव शरीर को मशीन की तरह और आयुर्वेद में शरीर को जीवन का साधन माना गया है।

पाश्चात्य देश मनुष्य को देखकर उन्ही के अनुरूप मशीन बना रहे है। और फिर उन्ही मशीनों से मनुष्य की चिकित्सा कर रहे है अगर हम अपने शरीर को मशीन मानेंगे तो पूरी दुनिया मशीन हो जायेगी।

अतिथि ने तुलसी, मोरिंगा आदि द्रव्यों के गुणों का वर्णन करते हुए कहा कि द्रव्य को पहचान कर उनके गुणों को जानकर प्रयोग करना चाहिए नही तो द्रव्य शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डालते है। हमारे शरीर में हमारी कोशिकाओं से दसगुना ज्यादा आमाशय में जीवाणु पाये जाते हैं जो हमारे स्वास्थ्य को बनाये रहने के लिए लाभदायक है।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय में बीएससी कृषि के छात्रों को कार्बनिक खेती के बारे में बताया कि हमें मृदा में रसायनिक उर्वरकों, कीटनाशको का कम से कम प्रयोग करना चाहिए जिससे मृदा का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

उन्होंने बताया कि भारत सरकार प्राकृतिक खेती एवं कार्बनिक खेती को बढ़ावा दे रही है जो एक अच्छा कदम है और इससे विश्व के अन्य देशों को भी इस प्रकार की खेती पर ध्यान देना चाहिए।

इस अवसर पर डॉ वैदुर्य प्रताप शाही, विभागाध्यक्ष, पादप एवं अनुवांशिकी विभाग, शुआट्स प्रयागराज, अधिष्ठाता कृषि विज्ञान संकाय, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य, कृषि विज्ञान एवं संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान के अधिष्ठाता सहित समस्त प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

# रामनवमी पूजन

दिनांकः 30 मार्च 2023, दिन गुरुवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थिति शिव मंदिर में रामनवमी के पावन अवसर पर पूजा–हवन का आयोजन किया गया। इस पूजा में मुख्य यजमान विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल (डॉ.) अतुल वाजपेई ने सपत्नी श्रीमती शीलम वाजपेई संग गढ़बन्धन कर माँ दुर्गा की पूजा–हवन करने के उपरान्त कन्याओं का पूजन किया।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित हुए।

# समाचार पत्रों में विश्वविद्यालय

## पश्चिमी चिकित्सा विज्ञान मानव शरीर को मशीन तो आयुर्वेद मानता है जीवन का साधन'

### 'गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में प्रख्यात जर्मन आण्विक जीव विज्ञानी प्रो पीटर निक का अंतरराष्ट्रीय अतिथि व्याख्यान'

संवाददाता

गोरखपुर, 28 मार्च। वैश्विक ख्याति के जर्मन आण्विक जीव विज्ञानी प्रो (डॉ) पीटर निक ने कहा है कि पश्चिमी चिकित्सा विज्ञान मानव शरीर को मशीन की तरह मानता है। जबकि आयुर्वेद ने मानव शरीर को जीवन का साधन माना गया है। पाश्चात्य देश मनुष्य को देखकर उन्हीं के अनुरूप बना रहे है और फिर उन्हीं मशीनों से मनुष्य की चिकित्सा कर रहे हैं। यदि हम अपने शरीर को मशीन मानेंगे तो पूरी दुनिया मशीन हो जाएगी।

प्रो पीटर निक मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कॉलेज) में अंतरराष्ट्रीय अतिथि व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। बीएएमएस के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति पांच हजार वर्ष पुरानी है। उसके बाद के काल में पाश्चात्य चिकित्सा के जनक हिप्पोक्रेट्स पर चरक संहिता में निहित उपदेशों का प्रभाव दिखता है। आयुर्वेद में प्रकृति का वर्णन है और इसमें प्रकृति के अनुसार चिकित्सा का विधान है। पश्चिमी चिकित्सा पद्धति दीर्घकालिक रोगों में इस सिद्धांत का अनुसरण कर रही है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद का प्रयोजन है स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी के रोग का निवारण करना। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान अब रोगी के इलाज से महत्वपूर्ण रोग होने के कारण को समाप्त करने पर कार्य करने लग गया है। प्रो निक ने कहा कि वर्तमान समय में चिकित्सा के विभिन्न प्रणालियों का एकीकरण सर्वोत्तम हितकर है। प्रो निक ने तुलसी, मोरिंगा (सहजन) आदि के द्रव्य गुणों की चर्चा करते हुए कहा कि द्रव्य को पहचान कर व उनके गुणों को जानकर ही प्रयोग करना चाहिए। अन्यथा द्रव्य शरीर पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे शरीर में कोशिकाओं से दस गुना ज्यादा अमाशय में जीवाणु पाए जाते हैं जो हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए लाभदायक है। आधुनिक एंटीबायोटिक के प्रभाव से ये जीवाणु समाप्त हो जाते हैं। जबकि आयुर्वेद चिकित्सा औषधियों से इन जीवाणुओं का विकास होता है। प्रो पीटर निक ने आयुर्वेद की प्राचीनता, प्रमाणिकता का वर्णन करते हुए बताया कि यूरोप के एक देश लिथुआनिया के घरों के चौखट पर अश्वनी कुमार (देवताओं के वैद्य) बने होते हैं। वहां पर इंद्रदेव की मूर्ति के चिह्न मिलती है जिनको जर्मन में थोर कहते हैं। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय अतिथि व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि आयुर्वेद भारतीय ज्ञान परम्परा की विरासत है। यह प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति पूरी दुनिया के लिए आरोग्यता का उपहार है। आज पूरी दुनिया एक बार फिर आयुर्वेद की तरफ उन्मुख हो रही है। कोरोना संकट में सर्वाधिक कारगर पद्धति आयुर्वेद ही रहा। उन्होंने बताया कि यह संस्थान आयुर्वेद के क्षेत्र में अध्ययन के साथ ही शोध, नवाचार व स्टार्टअप को भी प्रोत्साहित करने में जुटा है। आभार ज्ञापन आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य मंजूनाथ एनएस ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव समेत सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## आयुर्वेद में जीवन का साधन माना गया है मानव शरीर

- आयुर्वेद कालेज में आयोजित हुआ प्रख्यात जर्मन आण्विक जीव विज्ञानी का व्याख्यान
- वर्तमान में चिकित्सा की विभिन्न प्रणालियों का एकीकरण हितकर : प्रो. पीटर निक

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के आयुर्वेद कालेज में छात्रों व शिक्षकों को संबोधित करते जर्मन आण्विक जीव विज्ञानी डॉ. पीटर निक। •जागरण

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : वैश्विक ख्याति के जर्मन आण्विक जीव विज्ञानी प्रो. पीटर निक ने कहा है कि पश्चिमी चिकित्सा विज्ञान मानव शरीर को मशीन की तरह मानता है, जबकि आयुर्वेद में मानव शरीर को जीवन का साधन माना गया है। यदि हम अपने शरीर को मशीन मानेंगे तो पूरी दुनिया मशीन हो जाएगी। वह मंगलवार को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम के गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अतिथि व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे।

बीएएमएस के विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति पांच हजार वर्ष पुरानी है। उसके बाद के काल में पाश्चात्य चिकित्सा के जनक हिप्पोक्रेट्स पर चरक संहिता में निहित उपदेशों का प्रभाव दिखता है। आयुर्वेद का प्रयोजन है स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा करना और रोगी के रोग का निवारण करना। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान अब रोगी के उपचार से अधिक रोग होने के कारण को समाप्त करने पर कार्य करने लगा है। वर्तमान समय में चिकित्सा के विभिन्न प्रणालियों का एकीकरण सभी के लिए हितकर है।

प्रो. निक ने कहा कि हमारे शरीर में कोशिकाओं से दस गुना ज्यादा अमाशय में जीवाणु पाए जाते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए लाभदायक हैं। आधुनिक एंटीबायोटिक के प्रभाव से ये जीवाणु समाप्त हो जाते हैं। जबकि आयुर्वेदिक औषधियों से इन जीवाणुओं का विकास होता है। आयुर्वेद की प्राचीनता, प्रमाणिकता का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि यूरोप के एक देश लिथुआनिया के घरों की चौखट पर अश्वनी कुमार (देवताओं के वैद्य) के चित्र बने होते हैं। वहां पर इंद्रदेव की मूर्ति के चिह्न मिलते हैं, जिनको जर्मन में थोर कहते हैं।

अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल कुमार बाजपेयी ने की। आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस ने आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव समेत सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

## मौसमी फलों व शाक का प्रयोग कर बच सकते हैं ऋतु परिवर्तनजन्य बीमारियों से

### गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में मनाया गया हिंदू नव वर्ष, गुड़ी पड़वा, उगादी पर्व

## 685 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण

स्वतंत्र चेतना

नगर संवाददाता /गोरखपुर। गुरु गोरखनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, आरोग्यधाम के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय के सौजन्य से रविवार को बरगदवा ब्लाक के महराजगंज चौराहा स्थित कम्पोजिट उच्च विद्यालय में स्वास्थ्य एवं नेत्र जाँच मेला का आयोजन किया गया। शिविर में प्रतिष्ठित एलोपैथ और आयुर्वेद चिकित्सकों ने 685 मरीजों की जांच की एवं परामर्श दिया। इस दौरान निशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं।

स्वास्थ्य मेले का उद्घाटन पिपराइच विधानसभा के विधायक महेंद्र पाल सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल का उद्देश्य उच्चस्तरीय चिकित्सा सेवाओं को आम जनता तक उपलब्ध कराना है। यह चिकित्सालय पूर्वांचल का मिनी पीजीआई है। स्वास्थ्य मेले में लगभग 685 मरीजों का स्वास्थ्य स्वास्थ्य परीक्षण एवं निशुल्क दवा वितरण किया गया। 93 मरीजों में मोतियाबिंद चिन्हित किया गया।

स्वास्थ्यमेले में उपस्थित डॉक्टरों में डॉ रेणु गुप्ता, डॉ राजीव शाही सर्जन डॉ के के रेड्डी, डॉ अभिजीत, डॉ निकिता जायसवाल, डॉ अश्वती नरायन, डॉ हरिवंश यादव ,डॉ भारत एवं डॉ प्रदीप आदि ने मरीजों की जांच की। चिकित्सालय प्रबंधक जीके मिश्रा उपस्थित सभी का आभार प्रकट किया।

स्वास्थ्य मेले में महराजगंज गांव के प्रधान एवम विधायक प्रतिनिधि अरविंद सिंह, बीएससी तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं एवम अस्पताल कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

## मौसमी फलों व शाक का प्रयोग कर बच सकते हैं ऋतु परिवर्तनजन्य बीमारियों से

### गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में मनाया गया हिंदू नव वर्ष, गुड़ी पड़वा, उगादी पर्व

गोरखपुर (स्वरूप संवाददाता)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम गोरखपुर के अंतर्गत संचालित गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज) में द्रव्यगुण विभागाध्यक्ष डॉ वेंकटेश जोशी ने कहा कि इस समय वसंत ऋतु में सर्दी धीरे-धीरे कम रही है और गर्मी आ रही है। ऋतु परिवर्तन के कारण बहुत से संक्रमित रोगों की उत्पत्ति होती है। इस ऋतु में उत्पन्न (मौसमी) फल और शाक का प्रयोग कर मौसम के बदलाव से होने वाले रोगों से बच सकते हैं। डॉ जोशी बुधवार को आयुर्वेद कॉलेज में आयोजित हिंदू नव वर्ष, गुड़ी पड़वा, उगादी पर्व पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को नीम, आम, इमली और गुड़ से बने हुए पानक का स्वाद परीक्षण कराया। बताया कि ये पानक ऋतु परिवर्तनजन्य व्याधि से बचाव में सहायक है। इस अवसर पर आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस ने सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को

नव वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए सबके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। उन्होंने बताया कि चैत्र माह शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से हिंदू नव वर्ष का शुभारंभ होता है। इस दिन मराठी लोग गुड़ी पड़वा और दक्षिण भारत के लोग उगादी पर्व के रूप में मनाते हैं। कार्यक्रम में डॉ मिनी, डॉ रश्मि, आयुर्वेद कॉलेज के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। संचालन डॉ प्रज्ञा सिंह ने किया।

## वन ही जीवन है : डॉ. शोभित

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी हुई.

GORAKHPUR (21 March): महायोगी गोरखनाथ यूनिवर्सिटी, आरोग्यधाम गोरखपुर में कृषि विज्ञान एवं संबद्ध उद्योग संकाय की ओर से मंगलवार को विश्व वानिकी दिवस पर व्याख्यान एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई. इस अवसर पर मुख्य अतिथि एशियन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. शोभित श्रीवास्तव ने कहा कि वन ही जीवन है. वानिकी का कृषि से अभिन्न संबंध है. जरूरत इस बात की है कि किसान वानिकी के क्षेत्र के विभिन्न नवीन विद्याओं का प्रयोग करें. ऐसा करने से उन्हें अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त होगा. विशिष्ट अतिथि महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केंद्र, गोरखपुर के वैज्ञानिक डॉ. संदीप प्रकाश उपाध्याय ने कहा कि जनसंख्या विस्फोट के परिणामस्वरूप पड़ रहे दुष्प्रभाव को कम करने के लिए अधिकतम पौधरोपण का संकल्प लेना ही आज का युग धर्म है. कृषि विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ. विजय दुगेसर ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया. कार्यक्रम के दूसरे चरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रितिका द्विवेदी, द्वितीय स्थान अनिकेत मल्ल एवं तृतीय स्थान अदिति सिंह ने प्राप्त किया. संचालन डॉ कुलदीप

## किसी भी शोध में होती है शिक्षकों की अहम भूमिका

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शिक्षक प्रशिक्षण को संबोधित करते प्रो. डीके सिंह।

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में रविवार को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन तथा अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. डीके सिंह ने गुणवत्तापूर्ण और समयानुकूल परिमार्जन के लिए शिक्षकों के प्रशिक्षण को जरूरी बताया। प्रो. सिंह ने कहा कि आज वही शिक्षण संस्थान खुद को श्रेष्ठ साबित कर सकता है जो अपने शिक्षकों के लिए नियमित अंतराल पर विषय वस्तु के अनुरूप प्रशिक्षण की व्यवस्था करे। उन्होंने विश्वविद्यालय के आयुर्वेद, नर्सिंग, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान और कृषि विज्ञान के शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों पर शोध के प्रस्ताव का अवलोकन किया, समीक्षा की और सुझाव दिया।

अध्यक्षीय संबोधन में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डा. अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि किसी भी देश में होने वाले शोध में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। शिक्षक देश के विकास और नीति निर्धारण में सहायक होते हैं। प्रशिक्षण स्वयं को व्यक्त करने की कला में शिक्षकों की मदद करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कालेज के प्राचार्य डा. मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग कालेज की प्राचार्य डा. डीएस अजीथा, संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा. सुनील कुमार समेत सभी विभागों के शिक्षक उपस्थित रहे।

## Faculty Development Program on 'IQAC' organized at Mahayogi Gorakhnath University

*JEEVAN EXPRESS BUREAU*

GORAKHPUR: A Faculty Development Program was organized on Saturday in the lecture hall of Ayurveda College for the teachers teaching in all the courses run

under Mahayogi Gorakhnath Vishwavidyalaya Arogyadham Gorakhpur. In which the teachers were given proper information about the Internal Quality Assurance Cell 'IQAC'. In the program Dr. Sunil Kumar Singh, Dean, Faculty of Allied Health Sciences gave detailed information about the Internal Quality Assurance Cell. The Vice Chan-

## आईक्यूएसी पर कार्यशाला आयोजित

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के अन्तर्गत संचालित सभी पाठ्यक्रमों में अध्यापन कार्य कर रहे शिक्षकों के लिए अहम खबर है। शिक्षकों को इंटर्नल क्वालिटी एश्योरेन्स सेल (आईक्यूएसी) के बारे में जानकारी दिए जाने के लिए गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (आयुर्वेद कालेज) के लेक्चर हाल में फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

## प्रशिक्षण के माध्यम से शिक्षकों को भी समयानुकुल परिमार्जन की आवश्यकता : प्रो डीके सिंह

### महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध कार्यशाला का आयोजन

गोरखपुर (स्वरूप संवाददाता)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम में रविवार को आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूए.सी) और अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में द्वारा शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के जीव विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो डीके सिंह ने शिक्षक प्रशिक्षण और शोध की बारीकियों पर गहनता से प्रकाश डाला। प्रो सिंह ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण और समयानुकूल शिक्षण के लिए शिक्षकों को भी स्वयं को प्रशिक्षण आवश्यकता होती है। आज वही शिक्षण संस्थान खुद को श्रेष्ठ साबित कर सकता है

जो अपने शिक्षकों के लिए नियमित अंतराल पर विषय वस्तु के अनुरूप

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के सभी संकायों/विभागों जैसे आयुर्वेद, नर्सिंग, संबंद्ध स्वास्थ्य विज्ञान और कृषि विज्ञान के शिक्षकों द्वारा विभिन्न विषयों पर शोध हेतु

और उनकी समीक्षा करते हुए, अपने सुझाव दिए। प्रशिक्षण एवं शोध कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ अतुल कुमार वाजपेयी ने कहा कि किसी भी देश मे होने वाले शोध मे शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। शिक्षक देश के विकास और नीति निर्धारण मे सहायक होते हैं। शिक्षक प्रशिक्षण स्वयं को व्यक्त करने की कला मे शिक्षकों की मदद करता है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ प्रदीप कुमार राव, आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ मंजूनाथ एनएस, नर्सिंग की प्राचार्या डॉ डीएस अजीथा, सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डॉ सुनील कुमार समेत सभी

## Mahayogi Gorakhnath University student Shivam Pandey represented Gorakhpur in youth conference

*JEEVAN EXPRESS BUREAU*

GORAKHPUR: Shivam Pandey, first year BSc Biotechnology student of Mahayogi Gorakhnath Vishwavidyalaya, Gorakhpur, represented Gorakhpur district in the State Conference of Youth-20 organized in Lucknow. Under the direction of the Sports Ministry, a conference named

'Youth-20 Consultation' was organized at King George's Medical College, Lucknow by the Department of Youth Welfare. In which one-day discussions were held in various sessions on topics related to mental health, health related to sports injuries, various dimensions of sports, yoga and Ayurveda. In this, the experts kept their point and interacted with the youth. Shivam Pandey, a student of Mahayogi Gorakhnath University, was selected from Gorakhpur district to participate in this conference. The conference was inaugurated by Additional Chief Secre-

GURU GORAKSHNATH INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (FACULTY OF AYURVEDA)

गुरु गोरखनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस (आयुर्वेद कॉलेज)
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध कार्यशाला

गुरु गोरक्षनाथ इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस
महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर